

01 जुलाई 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

राज्यवस्था:

1. नए आपराधिक कानून लागू; Cr.PC, IPC केवल पुराने मामलों के लिए लागू

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:

1. मोदी की मॉस्को यात्रा समयबद्ध: विशेषज्ञ

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

शिक्षा:

1. भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सड़न:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. नारियल की भूसी से प्राप्त कार्बन सुपरकैपेसिटर को शक्ति प्रदान कर सकता है:
शोधकर्ता

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

नए आपराधिक कानून लागू: Cr.PC, IPC केवल पुराने मामलों के लिए लागू

राजव्यवस्था:

विषय: संघ और राज्यों के कार्य और जिम्मेदारियाँ।

मुख्य परीक्षा: नए आपराधिक कानून: मुख्य विशेषताएँ और चिंताएँ।

नए आपराधिक कानूनों का विवरण:

- कई राज्यों की आपत्तियों के बावजूद 1 जुलाई से पूरे भारत में तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं।
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) ने दंड प्रक्रिया संहिता (Cr.PC) की जगह ले ली है।
- भारतीय न्याय संहिता (BNS) ने भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860 की जगह ले ली है।
- भारतीय साक्ष्य (BS) ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की जगह ले ली है।

संशोधन और प्रक्रियाएँ:

- IPC और Cr.PC अभी भी पुराने मामलों और 1 जुलाई से पहले दर्ज किए गए अपराधों पर लागू होंगे।
- राज्य BNSS प्रावधानों में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र हैं।
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) गिरफ्तारी, जमानत, हिरासत और फोरेंसिक जांच के लिए प्रक्रियाओं को अनिवार्य बनाता है।
- तलाशी और जब्ती की अनिवार्य ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और सात साल या उससे अधिक के दंडनीय अपराधों के लिए अनिवार्य फोरेंसिक परीक्षा की आवश्यकता होती है।

विशिष्ट प्रावधान और संशोधन:

- भारतीय न्याय संहिता (BNS) में जल्द ही पुरुषों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ यौन अपराधों पर एक खंड शामिल हो सकता है।

- संशोधन होने तक, पुलिस ऐसी शिकायतों के लिए गलत तरीके से बंधक बनाने और शारीरिक चोट पहुंचाने जैसे संबद्ध आरोपों का उपयोग करेगी।

कार्यान्वयन और उन्नयन:

- 1 जुलाई से 650 से अधिक जिला न्यायालय और 16,000 पुलिस स्टेशन नई प्रणाली में स्थानांतरित हो जाएंगे।
- अपग्रेड किए गए अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (CCTNS) के माध्यम से FIR दर्ज की जाएगी, जिससे ई-FIR और जीरो FIR क्षमताएँ संभव होंगी।
- अंग्रेजी और हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में भी FIR दर्ज करने के लिए CCTNS सॉफ्टवेयर को अपडेट किया गया है।
- ई-साक्ष्य प्लेटफॉर्म डेटा को सुरक्षित रूप से होस्ट करेगा और इसे राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा प्रबंधित किया जाएगा।

प्रशिक्षण और फोरेंसिक क्षमताएँ:

- नई प्रणाली के लिए सभी राज्यों को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान की गई है।
- राज्यों के पास अपनी फोरेंसिक क्षमताओं को अपग्रेड करने के लिए जून 2029 तक का समय है।
- सात साल से ज़्यादा की सज़ा वाले सभी अपराधों के लिए फ़ोरेंसिक जाँच अनिवार्य है, लेकिन राज्यों को क्षमता निर्माण और अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए समय चाहिए।

सारांश:

- भारत में तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई से प्रभावी Cr.PC, IPC और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। राज्य गंभीर अपराधों के लिए अनिवार्य फ़ोरेंसिक जाँच के साथ प्रावधानों में संशोधन कर सकते हैं। अपडेट किए गए सिस्टम ई-एफआईआर को सक्षम बनाते हैं और कई भाषाओं का समर्थन करते हैं।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

मोदी की मॉस्को यात्रा समयबद्ध: विशेषज्ञ

अंतराष्ट्रीय संबंध:

विषय: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह और भारत से जुड़े और/ या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

मुख्य परीक्षा: अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया।

विवरण:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए 8-9 जुलाई को मॉस्को की यात्रा करेंगे।
- इस यात्रा का उद्देश्य भारत-रूस संबंधों में गिरावट की धारणा को पलटना और पश्चिमी देशों के साथ भारत के संबंधों को संतुलित करना है।
- यह वर्ष 2015 के बाद से मोदी की मॉस्को की पहली यात्रा होगी और वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन प्रारूप को फिर से शुरू करेगी।

यात्रा के फोकस क्षेत्र:

- चर्चा में रणनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंधों को शामिल किया जाएगा।
- प्रमुख विषयों में तेल आयात के कारण भारत-रूस व्यापार में वृद्धि, पश्चिमी प्रतिबंधों से भुगतान संबंधी समस्याओं का समाधान, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग, तथा पारस्परिक रसद विनिमय समझौता (आरईएलओएस) शामिल हैं।

यात्रा का महत्व:

- यात्रा को समय पर और लंबे समय से अपेक्षित माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक साझेदारी को फिर से मजबूत करना है।

- इससे पश्चिमी देशों को यह संकेत मिलेगा कि मोदी भारत के साथ संबंधों को संतुलित करना चाहते हैं, विशेष रूप से दो वर्ष पहले शुरू हुए रूस-यूक्रेन संघर्ष के संदर्भ में।
- विशेषज्ञों का मानना है कि इस यात्रा से लंबित मुद्दों को सुलझाने में मदद मिलेगी तथा राजनीतिक संबंधों में गिरावट की आशंकाएं दूर होंगी।

रणनीतिक और आर्थिक निहितार्थ:

- मोदी की यात्रा रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी और रूसी सैन्य "सहायक" के रूप में भारतीयों की भर्ती पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।
- इस यात्रा से युद्ध के कारण विलंबित रक्षा हार्डवेयर और पुर्जों की आपूर्ति में तेजी आएगी।
- भारत और रूस चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे और साइबेरिया में निवेश बढ़ाने, रूस से खनिज प्राप्त करने और चीन में बंदरगाहों के साथ पारगमन मुद्दों को हल करने पर चर्चा कर रहे हैं।

सारांश:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को की आगामी यात्रा का उद्देश्य रणनीतिक, आर्थिक और सैन्य सहयोग पर ध्यान केंद्रित करके भारत-रूस संबंधों को मजबूत करना, रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच संतुलित विदेशी संबंधों का संकेत देना और द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग को बढ़ाना है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सड़न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

शिक्षा:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से सम्बंधित सामाजिक क्षेत्र /सेवाओं के विकास एवं उनसे प्रबंधन से सम्बंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश पर बहस।

CUET की शुरुआत और इसका प्रभाव:

- शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) द्वारा संचालित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET) के कारण विश्वविद्यालय प्रवेश में देरी का सामना करना पड़ा।
- CUET व्यवस्था ने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों डिग्री को प्रभावित किया; पीएचडी प्रवेश के लिए एक CUET की योजना शुरू में बनाई गई थी, लेकिन सितंबर 2022 के मध्य में इसे छोड़ दिया गया।
- विश्वविद्यालय प्रशासन को इस बदलाव के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता प्रभावित हुई।

केस स्टडी: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU):

- भारत के दूसरे स्थान पर काबिज विश्वविद्यालय JNU ने पारंपरिक रूप से लगभग 50 वर्षों तक बिना किसी समस्या के अपनी प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित कीं।
- NTA के बहुविकल्पीय प्रश्न प्रारूप ने JNU की कलम और कागज़ की परीक्षाओं की जगह ले ली, जिससे JNU की पारंपरिक परीक्षा पद्धतियों की वापसी की माँग उठने लगी।
- कुलपति द्वारा आंतरिक आलोचना और सार्वजनिक रुख के बावजूद, JNU ने NTA प्रारूप का उपयोग जारी रखा।

देरी और विनियामक परिवर्तन:

- वर्ष 2022-2023 के लिए पीएचडी प्रवेश आठ महीने की देरी के साथ मार्च 2023 के मध्य तक पूरे हो गए।

- नवंबर 2022: भारत के राजपत्र ने यूजीसी विनियम, 2022 को अधिसूचित किया, जिससे विश्वविद्यालयों को अपनी प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित करने की अनुमति मिल गई।
- इन विनियमों के बावजूद, NTA ने संस्थागत प्रमुखों के समर्थन से पीएचडी प्रवेश परीक्षाओं को नियंत्रित करना जारी रखा।

एनटीए का नियंत्रण और विश्वविद्यालय की स्वायत्तता:

- जेएनयू के कुलपति ने एनटीए का पालन करने के लिए शिक्षा मंत्रालय के आदेश का हवाला दिया।
- केंद्र सरकार और यूजीसी विनियम, 2022, इस तरह के किसी भी अनुबंध को अनिवार्य करने से इनकार करते हैं, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं।
- जेएनयू प्रशासन ने उचित आदेश के बिना पीएचडी प्रवेश के लिए केवल जून 2024 यूजीसी-नेट परीक्षा के अंकों को स्वीकार करने का फैसला किया है।

निष्कर्ष: गठजोड़ और इसके परिणाम

- अकादमिक कैलेंडर पर एनटीए के नियंत्रण ने विश्वविद्यालयों को अपना कैदी बना लिया है, जिसे यूजीसी के जोरदार प्रचार से समर्थन मिला है।
- कुलपतियों ने यूजीसी के साथ मिलीभगत की है, परीक्षा सुरक्षा और प्रारूप के बारे में आंतरिक चिंताओं को दबा दिया है।
- यूजीसी, कुलपतियों और एनटीए के बीच सांठगांठ की जांच की आवश्यकता है, तथा विश्वविद्यालय की स्वायत्तता और व्यवस्था में छात्रों का विश्वास बहाल करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

सारांश:

- एनटीए की सीयूईटी व्यवस्था ने भारत के उच्च शिक्षा प्रवेश को बाधित किया है, विश्वविद्यालय की स्वायत्तता से समझौता किया है और देरी का कारण बना है। जेएनयू के

संघर्ष व्यापक मुद्दों का उदाहरण हैं, जो यूजीसी, संस्थागत प्रमुखों और बहाल अकादमिक स्वतंत्रता और समय पर प्रवेश की आवश्यकता के बीच चिंताजनक गठजोड़ को उजागर करते हैं।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. नारियल की भूसी से प्राप्त कार्बन सुपरकैपेसिटर को शक्ति प्रदान कर सकता है: शोधकर्ता

नारियल के छिलकों का अभिनव उपयोग:

- तिरुवनंतपुरम के गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन के शोधकर्ताओं ने नारियल के छिलकों से सक्रिय कार्बन बनाने की विधि विकसित की है।
- केरल में कृषि के लिए महत्वपूर्ण अवशेष नारियल के छिलकों को सुपरकैपेसिटर के लिए उपयुक्त सक्रिय कार्बन में परिवर्तित किया जाता है।
- यह विधि टिकाऊ, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल उच्च प्रदर्शन वाले सुपरकैपेसिटर का वादा करती है।

सुपरकैपेसिटर प्रौद्योगिकी में प्रगति:

- सुपरकैपेसिटर पारंपरिक कैपेसिटर की तुलना में उच्च कैपेसिटेंस और ऊर्जा भंडारण क्षमता प्रदान करते हैं, जो टिकाऊ ऊर्जा भंडारण के लिए आवश्यक है।
- एक आदर्श सुपरकैपेसिटर इलेक्ट्रोड सामग्री की खोज अब तक चुनौतीपूर्ण रही है।
- नारियल के छिलकों से प्राप्त सक्रिय कार्बन प्रोटोटाइप मौजूदा सुपरकैपेसिटर की तुलना में चार गुना अधिक कुशल हैं।

शोध और कार्यप्रणाली:

- सहायक प्रोफेसर जेवियर टी.एस. और मेरिन टॉमी, गणेश एस.जी., अनु एम.ए., और श्रीलक्ष्मी एस.आर. सहित, ने ये परिणाम प्राप्त किए।

- उनके निष्कर्ष अमेरिकन सस्टेनेबल रिसोर्स मैनेजमेंट जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।
- टीम ने कॉलेज के सेंट्रलाइज्ड कॉमन इंस्ट्रुमेंटेशन फैसिलिटी (CCIF) में माइक्रोवेव-असिस्टेड विधि का उपयोग किया है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. 'सेगुंडा मार्केटालिया' अक्सर निम्नलिखित मामलों में खबरों में देखा जाता है:

- (a) श्रीलंका
- (b) बांग्लादेश
- (c) अर्जेंटीना
- (d) कोलंबिया

उत्तर: d

व्याख्या:

- कोलंबियाई सशस्त्र समूह सेगुंडा मार्केटालिया ने एकतरफा युद्धविराम पर सहमति जताई है। यह पूर्व FARC गुरिल्लाओं का एक अलग समूह है।

प्रश्न 2. हाल ही में खबरों में आया 'फ्रीडम एज' अभ्यास निम्नलिखित के बीच एक त्रिपक्षीय अभ्यास है:

- (a) दक्षिण कोरिया, यूएसए, जापान
- (b) उत्तर कोरिया, रूस, चीन
- (c) दक्षिण कोरिया, चीन, जापान
- (d) यूएसए, ऑस्ट्रेलिया, जापान

उत्तर: a

व्याख्या:

- फ्रीडम एज दक्षिण कोरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के बीच पहला त्रिपक्षीय बहुआयामी सैन्य अभ्यास है।

प्रश्न 3. हाल ही में खबरों में आया 'करकुमा कार्किंगेंस' (Curcuma kakchingense) एक है:

- (a) मणिपुर में खोजी गई फूलदार पौधे की प्रजाति
- (b) पश्चिमी घाट में खोजी गई हल्दी की प्रजाति
- (c) कर्नाटक में खोजी गई अदरक की नई प्रजाति
- (d) तेल खाने वाले बैक्टीरिया

उत्तर: a

व्याख्या:

- करकुमा कार्किंगेंस मणिपुर में खोजी गई एक नई फूल वाले पौधे की प्रजाति है। यह एंजियोस्पर्मिक परिवार जिंजिबेरेसी (angiospermic family Zingiberacea) से संबंधित है, जिसमें हल्दी, अदरक और इलायची जैसे प्रसिद्ध पौधे शामिल हैं।

प्रश्न 4. रसद समझौते का पारस्परिक आदान-प्रदान (RELOS), जिसे अक्सर समाचारों में देखा जाता है, भारत और किस देश के बीच एक प्रशासनिक व्यवस्था है:

- (a) रूस
- (b) चीन
- (c) यूनाइटेड किंगडम
- (d) इज़राइल

उत्तर: a

व्याख्या:

- FATF 'नियमित अनुवर्ती' श्रेणी का दर्जा केवल पाँच G20 देशों - भारत, यूके, फ्रांस, इटली और रूस द्वारा साझा किया जाता है।

प्रश्न 5. दंड प्रक्रिया संहिता (Cr. PC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. CrPC को पहली बार सन 1861 में पारित किया गया था।

2. CrPC में गिरफ्तारी, अभियोजन और जमानत की प्रक्रिया का प्रावधान है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: d

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं। भारत में नए आपराधिक कानून लागू होते हैं। Cr.PC, IPC केवल पुराने मामलों के लिए लागू होते हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त जीवन जीने के अधिकार की मान्यता स्थापित करने के लिए आवश्यक प्रमुख प्रयासों पर चर्चा कीजिए। इन अधिकारों को स्थापित करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं को भी गिनाएँ। (15 अंक, 250 शब्द) [GS-3, पर्यावरण] (Discuss the major efforts required to establish the recognition of the right to live free from the effects of climate change in India. Also enumerate the major obstacles in establishing these rights. (15 marks, 250 words) [GS-3, Environment])

प्रश्न 2. विश्लेषण कीजिए कि भारत और रूस के बीच संबंधों की वर्तमान मजबूती वैश्विक भू-राजनीति को बहुपक्षवाद में सकारात्मक रूप से बदलने में कैसे सफल होगी। (10 अंक, 150 शब्द) [GS-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध] (Analyze how the current strength of relations between India and Russia will be successful in positively transforming global geopolitics into multilateralism. (10 marks, 150 words) [GS-2, International Relations])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

